English poem

ERASED

Moonless nights
Days will be rayless

A sprout inside her,
is dreaming of a life out there,

Not knowing the demons who are waiting for her

To whelve her
Without letting her see the treasure ,

Why only she have to suffer,
And everyone wants to get rid of her.

By doing her assassination,
You're causing your self destruction.

To the demons,
You will end up all alone,
You don't have to chosse between hell or heaven,
Cuz you will be there where you belong
You will feel distraught, reckless all day,
Cuz karma has its own way

Protect her,
Understand her,
Feel her,
Love her,
You will never feel guilty because it's meant to be….

Avani of class 12th (science stream)

अम्मा

अम्मा जब याद अति है।तुम्हारी तो आँखें भारी अति है।

अम्मा जब याद अति है। तुम्हारी तो बस यही याद आता है कि कोई था जो सीने से लगा कर रोते हुए को चुप करता था।

अम्मा जब याद अति है। तुम्हारी वो याद आते हैं दिन जो खिलाती थी अपने हाथो से रोटी।

अम्मा जब याद अति है। तुम्हारी तो सुनई देती है तुम्हारी पायलो की आवाज।

अम्मा आह गई ! अम्मा आह गई !

अम्मा जब याद अति है ।तुम्हारी तो रात वाली बातए याद अति है जो सुनाया कृति थी कहानी।

अम्मा जब याद अति है।तुम्हारी तो याद आते हैं वो दिन जो खेला कृति थी तुम हमारे साथ।

अम्मा जब याद अति है।तुम्हारी तो याद आते हैं वो दिन जो बटाया कृति थी अपने बचपन की बातए।

अम्मा जब याद अति है। तुम्हारी तो याद अति है वो दिन जब मारा कृति थी मम्मी तो बच्चाया कृति थी तुम।

अम्मा जब याद है ।अति तुम्हारी तो याद आते हैं वो दिन जब पढाई मैं कृति हमारी मदद।

अम्मा जब याद अति है ।तुम्हारी तो याद आते है वो दिन खुद ही डट लगती थी फिर बाद में प्यार जताती थी।सॉरी बेटा!

अम्मा जब याद अति है। तुम्हारी तो याद आते हैं वो दिन जो रहते थे हम तुम्हारे आगे पीछे।

तनीषा

X B

संतों की संगत

एक बार की बात है किशनगंज नाम का एक राज्य था । उस राज्य के राजा महाराज केशव थे उनका बचपन साधु संत एवं सज्जन व्यक्तियों के साथ बिता था। इसी वजह से वह दयालु , बुद्धिमान एवं वेदों का ज्ञान रखते थे । संतो के साथ रहने की वजह से उन्हें एक राजा को कैसा होना चाहिए अच्छी तरह से पता था प्रजा की क्या-क्या जरूरतें कैसे पूरी करनी है वह इस बात का पूरा ध्यान रखते थे। उनके राज्य में उनकी प्रजा उनसे बहुत खुश थी। लेकिन उनका बेटा गलत संगत में रहता था और इस वजह से वह बदतमीज भी हो गया था राजा को एक ही चिंता होती थी कि उनके मरने के बाद उनकी प्रजा का क्या होगा क्योंकि उनके बेटे में कोई दया नहीं थी , ना ही बुद्धिमान था और ना ही उसे न्याय करना आता था। इसलिए जहां से राजा ने शिक्षा ग्रहण की थी और संतों के साथ बड़े हुए थे उन्होंने अपने बेटे को भी वही भेजने का विचार किया और उन्हें पूर्ण विश्वास था कि उनका बेटा वहां जाकर बुद्धिमान एवं न्याय प्रिय राजा बनेगा। राजा का बेटा अपनी गलती जानता था लेकिन वह इस मोह माया से छूट नहीं पा रहा था सत्य और असत्य की पहचान नहीं कर पा रहा था । वह जाना नहीं चाहता था लेकिन राजा के बार बार कहने पर उनका बेटा जाने के लिए तैयार हो गया। लेकिन राजा ने अपने बेटे को किसी राजकुमार की तरह अच्छे सुंदर - सुंदर आभूषण एवं वस्त्र पहना कर

नहीं भेजा उन्होंने अपने बेटे को साधुओं के वस्त्रों में वहां पर भेजा राजा ने अपने बेटे से कहा बेटा अगर तुम्हें कभी भी साधु संतों से कुछ ज्ञान चाहिए तो भिखारी बन कर ही लेना क्योंकि साधु संत जरूरतमंद एवं जिनका कोई नहीं होता उसे ही ज्ञान देते हैं। इसलिए तुम एक साधारण व्यक्ति बन कर जाना राजा ने अपने सेनापति को अपने बेटे को कुटिया से थोड़ी दूर पर छोड़ने को कहा क्योंकि वहां पर अस्त्र ले जाना मना था और वहां पर वही अस्त्र होते थे जो साधु संत अनुष्ठान करके शुद्ध करते थे वहीं अस्त्र वहां रखे जाते थे और अन्य आदि अस्त्र वहां ले जाना वर्जित था। राजा के कथन अनुसार सेनापति ने वैसा ही किया। राजकुमार ने साधु संतों की कुटिया में जाते ही सभी साधु एवं संतो को प्रणाम किया। वहां के प्रमुख साधु श्री रामकृष्ण तिवारी थे उनको अपना परिचय दिया साधु के प्रमुख को यह नाम उनके गुरु देव ने दिया था राजकुमार ने अपने यहां पर आने का कारण बताया साधु संतों ने शिक्षा देना प्रारंभ किया ।साधुओं ने राजकुमार से कहा कि राजकुमार अब हम आपको किसी चीज का सही मूल्य तय करना कितना महत्व कार्य होता है यह हम आपको बताएंगे अगर हम किसी चीज का सही मूल्य तय नहीं करते हैं तो उसका क्या दुष्परिणाम होता है एक कहानी के द्वारा बताएंगे। साधुओं ने कहानी प्रारंभ की " एक बार की बात है एक जंगल में एक धोबी घूम रहा था। तभी उसने अचानक अपने पैर के सामने एक चमकता हुआ पत्थर देखा वह पत्थर कोई मामूली पत्थर नहीं था वह एक बहुत कीमती हीरा था। लेकिन यह बात धोबी को नहीं पता कि उसने उसे एक मामूली पत्थर समझा उसके पास एक गधा था ।उसने वह हीरा अपने गधे के गले में बांध दिया और उसी से उस गधे को नहलाता भी था। कुछ दिन बाद वहां से एक जोहरी निकल रहा था उसने उस हीरे को देखा उसने धोबी के पास जाकर पूछा भाई यह कितने का है धोबी ने जवाब दिया क्या यह पत्थर यह तो एक मामूली पत्थर है जंगल में मिला था जोहरी समझ गया कि धोबी को यह नहीं पता है कि यह हीरा है और इसका कितना मूल्य है जोहरी ने कहा भाई यह पांच रुपए में बेचोगें।

धोबी ने सोचा एक मामूली पत्थर के पांच रुपए भी मिल रहे हैं तो क्या बुराई है धोबी ने वह हीरा बेच दिया। लेकिन वह हीरा जब जोहरी के पास आया तब वह टूट गया जोहरी ने हीरे से पूछा तुम जब तक धोबी के पास थे और वह अपने गधे को तुमसे रगड़ रगड़ कर नहलाता था तब तुम नहीं टूटे लेकिन मेरे हाथ में आते ही क्यों टूट गए। तब उस हीरे के टूटे हुए टुकड़ों से आवाज आई जोहरी जब तक मैं धोबी के पास था उसे मेरा मूल्य नहीं पता था वह नहीं जानता था कि मैं कौन हूं इसलिए वह मुझे मामूली पत्थर समझ कर अपने गधे को साफ करता रहा लेकिन तुम्हें तो पता था कि मेरा मूल्य कितना है फिर भी तुमने मुझे पांच रुपए में खरीदा इसलिए मैं टूट गया "। साधुओं ने राजकुमार को इसी कहानी सीख पर आधारित एक पुरानी घटना भी सुनाई साधुओं ने कहा कि " जब श्री राम 14 वर्ष के लिए वनवास चले गए थे तब गुरु वशिष्ठ ने भरत जी से

कहा था कि आपके बड़े भाई श्री राम ने अपने पिता का पहला वचन निभाया है अब आपकी बारी है आप गद्दी पर बैठे और अयोध्या के राजा बने राजकुमार भरत ने गुरु वशिष्ठ को एक सुंदर सा जवाब दिया और कहा है गुरुदेव अगर मैं गद्दी पर बैठ जाऊंगा तो यह पृथ्वी नष्ट हो जाएगी जब गुरु वशिष्ट ने यह पूछा कि है राजकुमार भरत हिरण कश्यप , सहस्त्रबाहु एवं रावण जैसे अधर्मी इस पृथ्वी पर रहते हैं फिर भी यह पृथ्वी नष्ट नहीं हुई लेकिन जब आप इस गद्दी पर बैठ जाएंगे तब यह पृथ्वी नष्ट कैसे हो जाएगी । तब राजकुमार भरत ने उत्तर दिया और कहा गुरुदेव इस पृथ्वी को अधर्म करने वाले लोगों से कोई उम्मीद नहीं है कि वह धर्म का साथ देंगे लेकिन इस पृथ्वी को मुझसे एवं अन्य अच्छे लोगों से यह उम्मीद जरूर है कि हम सत्य का साथ देंगे अगर हम ही असत्य का साथ दें और अधर्म करें तो यह पृथ्वी जरूर नष्ट हो जाएगी। यह पृथ्वी अच्छे लोगों के बल पर टिकी है बुरे लोगों के बल पर नहीं । जिस दिन इस पृथ्वी से अच्छे लोग नष्ट हो जाएंगे उस दिन पृथ्वी अपने आप नष्ट हो जाएगी क्योंकि इसका बल अच्छे लोग हैं बुरे लोग नहीं" राजकुमार आपकी प्रजा को आपसे उम्मीद है अगर आप न्याय नहीं करेंगे तो उनका साथ कौन देगा इसलिए यह राजा का कर्तव्य है कि वह न्याय करें और अपनी प्रजा का ख्याल रखें , सही चीज का सही मूल्य लगाएं।

साधुओं ने राजकुमार से कहा राजकुमार अब आपको सत्य के लिए कैसे लड़ना है अब आपको यह सिखाया जाएगा इसके लिए भी हम आपको एक कहानी सुनाएंगे जो एक महान राजा की कहानी है " एक बार की बात है हेमंत राज्य के राजा विवेक अपने सैनिकों के साथ घूमने वन में घूमने गए घूमते घूमते वह बहुत थक गए थे। इसलिए उन्होंने एक जगह रुक कर आराम किया तभी उन्होंने देखा एक व्यक्ति घायल हिरण को लेकर जा रहा था ।

राजा ने अपने सैनिकों को भेजा और उस व्यक्ति को और हिरण को लाने के लिए कहा। राजा ने उस व्यक्ति से पूछा तुम घायल हिरण को क्यों लेकर जा रहे हो। उस व्यक्ति ने कहा महाराज इस हिरण को मारकर इसका मास निकाल करके उसे बेच दूंगा फिर उससे जो पैसा मिलेगा घर जाकर अपने बीवी बच्चों के लिए खाने का प्रबंध करूंगा मेरे बीवी बच्चे पाँच दिन से भूखे हैं उन्होंने कुछ नहीं खाया क्योंकि मुझे अब तक कोई जानवर नहीं मिला था। आज बहुत मुश्किल से यह घायल हिरण मुझे मिला है महाराज के कृपया मुझे जाने दे वरना मेरे बीवी बच्चे मर जाएंगे राजा बड़ा ही दयालु था और सत्य के लिए हमेशा लड़ता था उसने उस हिरण को छोड़ने के लिए कहा राजा ने उस व्यक्ति से कहा कि तुम एक काम करो तुम्हें इसका मांस ही चाहिए मैं तुम्हें अपना पैर काट कर देता हूं तुम मेरा पैर ले लो । उसमें से मांस निकालकर और उसे बेचकर जो भी मिले अपने बीवी बच्चों के लिए खाने का प्रबंध करो मेरे पास इस समय ना तो कोई भोजन है, ना धन , मेरे पास इस समय मेरे आभूषण भी नहीं है जो मैं तुम्हें दे दूं और तुम उन्हें बेचकर अपने बीवी बच्चों के खाने का इंतजाम

कर सको मेरे पास सिर्फ यही एक चारा यह बात कहते ही जब तक व्यक्ति कुछ कहता तब तक राजा ने अपना पैर काट कर उसे समर्पित कर दिया और कहा इसे ले जाओ वह व्यक्ति भी बड़ा ही मजबूर था इसलिए उसने उस हिरण को छोड़ दिया और राजा का कटा हुआ पैर उठाकर वह व्यक्ति वहां से जल्दी-जल्दी भाग कर चला गया। राजा की ऐसी बुरी दशा देखकर सैनिक जल्दी से वैद्य को बुला कर ले आए । वैद्य ने राजा का इलाज करा और राजा जब ठीक हो गया तब अपने राज्य में जहां पर भी गुप्त तरीके से जीव हत्या की आती है ऐसी दुकानों को बंद करवाया ।जिससे भविष्य में किसी के पास किसी जानवर की हत्या करने के बाद उसे बेचने के लिए कोई विकल्प ही ना रहे जिससे वह जीव हत्या ही ना करें।"
राजकुमार ने कहा आप सभी गुरुदेव का कोटि-कोटि धन्यवाद ।आप सभी ने मेरी आंखें खोल दी एक राजा का क्या धर्म होता है आपने यह मुझे सिखलाया और एक अच्छा व्यक्ति कैसा होता है यह भी आपने मुझे बता दिया । एक राजा का धर्म होता है कि वह अपनी प्रजा की रक्षा करें ।अपने प्राणों की आहुति देकर भी अपनी प्रजा की रक्षा करें । राजा को दयालु , सत्य के लिए लड़ने वाला और न्याय को पहचानने वाला होना चाहिए।साधुओं के प्रमुख ने राजकुमार से कहा अगर सच में हमारी दी हुई शिक्षा शिक्षासफल हुई है तो आप हमारे दो प्रश्न का उत्तर दीजिए हमें यह बताइए राजकुमार कि हमने आपको अलग-अलग कहानियां क्यों सुनाई है ? इस प्रश्न का उत्तर दीजिए तभी हम मानेंगे कि हमारे दी हुई शिक्षा सफल हुई है।राजकुमार ने कहा गुरुदेव जैसे एक शेर दूसरे शेर को देखकर दहाड़ ने का प्रयास करता है और धीरे-धीरे कर दहाड़ लेता है वैसे ही हमें खुद की कहानी बनाने के लिए दूसरों की कहानियां सुननी पड़ती है।
राजकुमार अब मुझे विश्वास हो गया है कि आप राजा बनने के काबिल है।

सीख- हमारी जिंदगी में कितनी भी कठिनाइयां क्यों ना हो अगर हम अपनी जिंदगी में साधु संत एवं अच्छे व्यक्तियों की संगत लेते हैं तो हम एक अच्छे व्यक्ति बन सकते हैं ।हमारे अंदर के निर्गुण निकल जाते हैं और हम गुणवान हो जाते हैं।इसलिए हमें हमेशा अच्छे लोगों की संगत में रहना चाहिए।
-गौरव तिवारी

नाम= गौरव तिवारी
कक्षा =10वीं(अ)
सदन =अशोका

जिंदगी!!!
जिंदगी के सफर में मुश्किलें भी आएंगी ।

बढ़ते कदम की राहों में पत्थरे बिछाएंगी ।
परेशानियों की इस सफर में लक्ष्य भी डगमगायेगी।
है जो पथ पथरीला भी तकलीफे बढ़ाएंगी ।
हरकतें जमाने वालों की उनकी असलियत दिखाएंगी ।
हौसला की बुलंदियों से ये राह भी कट जायेगी ।
है इरादे कुछ पाने की तो मुश्किलें क्या कर पाएंगी ।
जिंदगी के सफर में मुश्किलें भी आयेगी ।

प्रेरणा पाण्डेय
कक्षा -12"अ"

किताबें कुछ कहना चाहती है!!!

किताबें कुछ कहना चाहती है
तुम्हारे पास रहना चाहती है
किताबों में चिड़िया चहचहाती है
किताबों में झरने गुनगुनाते है
किताबों में परियों का राज है
किताबों में साइंस की आवाज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबें कुछ कहना चाहती है
तुम्हारे पास रहना चाहती है

प्रेरणा पाण्डेय
कक्षा -12"अ"

Galaxy

Pratyaksh Kumar 7th A Roll no. =17

A galaxy is a group of many stars, wi th gas, dust, and dark matter. The na me 'galaxy' is taken from the Greek w ord galaxia meaning milky, a referenc e to our own galaxy, the Milky Way. Gravity holds galaxies together again st the general expansion of the unive rse In effect, the expansion of the un iverse takes place between groups o f galaxies, not inside those groups. G ravity holds the galaxy together. The same applies to groups and clusters of galaxies, such as our Local Group where the Milky Way is, and the Virg o Cluster, a collection of more than 1 ,000 (might even be 2,000) galaxies. The gravitation is produced by the m atter and energy in a galaxy or group of galaxies. Everything in a galaxy m oves around a centre of mass, which is also an effect of gravity. There are various types of galaxies: elliptical, s piral and lenticular galaxies, which ca n all be with or without bars. Then th ere are irregular galaxies. All galaxies exist inside the universe. The observ able Universe contains more than 2 trillion (1012) galaxies

Try Try Again

It is a lesson you should heed,
If at first you don't sucess,
Try , try again ;

Then your courage should appear,
For if you will persevere,
You will conquer , never fear
Try , try again ;

If we strive, It is no disgrace
Through we do not win the race ;
What should you do in the case ?
Try , try again

If you find your task is hard,
Time will bring you your reward,
Try , try again

All that other folks can do
Why, with patience, should not you ?
Only keep this rule in view:
Try , try again.

Priya Meena
XIIB

हिंदी के कदम है बढ़ते।

हिंदी के कदम है बढ़ते

शान से अब हम हैं चलते।

विश्व में गुणगान हो रहा

हिंदी का सम्मान हो रहा।

सारे जग में एक लहर है

हिंदी ही जग की पहल है।

बहुत पहले ये है जन्मि

अनेक अनेक भाषा है जन्मि।

हिंदी पर घमंड कर लो

नींव इसकी अखंड कर लो।

इतना प्रचंड कर लो

हिंदी सारे विश्व में पहचान नई बनवाएगी।

हिंदी को तो सीखने दुनिया भारत आएगी

हिंदी का तब नाम होगा।

इतना महान होगा

तब तो जय जय कार होगी।

विश्व में बहार होगी

जब हिंदी कदम बढ़ाती आयेगी

सफलता क्षितिज तक जायेगी।

Mansi
Class :- 10th-B